एम.ए. हिंदी (एम.एच.डी.)

पाठ्यक्रम कोड : एम.एच.डी.–17 से 20

(पूरे पाठ्यक्रम के सभी खंडों पर आधारित)

सत्रीय कार्य

(जुलाई–2023 और जनवरी –2024) सत्रों के लिए

जुलाई–2023 सत्र के लिए अंतिम तिथि : 30 अप्रैल, 2024

जनवरी–2024 सत्र के लिए अंतिम तिथि : 31 अक्तूबर, 2024

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मानविकी विद्यापीठ
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली–110068

मॉड्यूल 'ख'– दलित साहित्य : विशेष अध्ययन
(एम.एच.डी.–17 से 20 तक)
सत्रीय कार्य : एम.एच.डी.–17
'भारत की चिंतन परंपराएं और दलित साहित्य'
(पूरे पाठ्यक्रम के सभी खंडों पर आधारित)

सत्रीय कार्य कोडः एम.एच.डी.–17/टी.एम. ए/2023– 2024
कुल अंकः 100

1. निम्नलिखित काव्यांशों की लगभग 200 शब्दों में संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए : 10x4=40

(क) जगति क्षयधर्मके मुमुक्षुर्मृगयेऽहं शिवमक्षयं परं तत्।
स्वजनेऽन्यजने च तुल्यबुद्धिर्विषयेभ्यो विनिवृत्तरागदोष।।

(ख) 'न च' अस्य दुःख सम्भिन्नतया पुरुषार्थत्वमेव नास्ति'' इति मन्तव्यम्
अवर्जनीयता प्राप्तस्य दुःखस्य परिहारेण सुखमात्रस्यैव भोक्तव्यत्वात।
तद्यथा–मत्सयार्थी सशल्कान् सकटकान् मत्स्यानुपादत्ते
स यावदादेय तावदादाय निवर्तते।
यथा वा धान्यार्थी सपलालानि धान्यानि आहरति, स याददादेय तावदादाय निवर्तते।
तस्माद् दुःखमयात् नानुकूलवेदनीयं सुखं त्यक्तुमचितम।।

(ग) धरहि म थक्कु म जाहि वणे, जहितहि मण परिआण
सजलु णिरन्तर बोहि–ठिअ, कहिं भव कहिं णिवबाण
णउ धरे ण्उ वणें बोहि ठिउ, एहु परिआणुहु भेउ।
णिम्मल चित्त– सहावता, करहु अविकल सेउ।।

(घ) कनक माया है, कनक माया नहीं,
नारी माया है, नारी माया नहीं,
मिट्टी माया है, मिट्टी माया नहीं,
मन की आशां ही माया है, हे! गुहेश्वर

2. निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिएः 10x4=40

(क) दिङ्नाग के दर्शन पर विस्तार से चर्चा कीजिए।

(ख) लोकायत दर्शन का विवेचन कीजिए।

(ग) नाथ साहित्य के ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य को समझाइये।

(घ) कन्नड़ भक्ति साहित्य की परंपरा का परिचय बताते हुए वचन साहित्य की विशेषताएं बताइये।

3. निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 100 शब्दों में दीजिए: **5x4= 20**

(क) अश्वघोष

(ख) संवाद लोकतांत्रिक परंपरा

(ग) नाथ साहित्य

(घ) अक्का महादेवी

एम.एच.डी.–18
(दलित साहित्य की अवधारणा और स्वरूप के सभी खण्डों पर आधारित)

पाठ्यक्रम कोड : एम.एच.डी.–18
सत्रीय कार्य कोड : एम.एच.डी.–18/टी.एम.ए./2023–2024
कुल अंक : 100

निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं 'दस' प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। 10x10=100

1. दलित पैंथर आंदोलन और दलित साहित्य में अतःसंबंध को समझाइये।
2. दलित चिंतन के उद्‌भव और विकास को संक्षेप में लिखिए।
3. सत्यशोधक आंदोलन और मुक्ति के प्रश्न पर विचार कीजिए।
4. डॉ. आम्बेडकर के नारी संबंधी चिंतन की विवेचना कीजिए।
5. पेरियार, ई.वी.रामास्वामी नायकर के आंदोलन पर अपने विचार व्यक्त कीजिए।
6. वैकम सत्याग्रह के दौरान प्रस्तुत श्री नारायण गुरु के विचारों को स्पष्ट कीजिए।
7. किसान जीवन में क्रांति लाने हेतु महात्मा फूले द्वारा सुझाए गए महत्वूपर्ण बिन्दुओं को रेखांकित कीजिए।
8. 'दलित' शब्द का अभिप्राय क्या है? साहित्य के साथ जुड़कर वह किस तथ्य को अभिव्यक्त करता है?
9. 'दलित आलोचना के सरोकारों में श्रम के सौन्दर्यशास्त्र की प्रतिष्ठा है' विवेचना कीजिए।
10. दलित साहित्य के संदर्भ में 'आशय' और 'अंतर्वस्तु' की क्या विशेषता है?
11. अछूतानंद के सामाजिक सुधार आंदोलन पर प्रकाश डालिए।
12. हीरा डोम की 'अछूत की शिकायत' कविता में अभिव्यक्त दलित चेतना के पहलुओं को स्पष्ट कीजिए।
13. निराला के दलित पात्र प्रेमचंद के दलित पात्रों से किस तरह भिन्न हैं?
14. 'गुलामगिरी' पुस्तक के द्वारा महात्मा ज्योतिबा फूले ने वर्ण वर्चस्ववाद की कठोर आलोचना की है, इस कथन की विवेचना कीजिए।

सत्रीय कार्य
एम.एच.डी–19
हिंदी दलित साहित्य का विकास
(पूरे पाठ्यक्रम के सभी खण्डों पर आधारित)

पाठ्यक्रम कोड : एम.एच.डी.–19
सत्रीय कार्य कोड : एम.एच.डी.–16/टी.एम.ए./2023–2024
कुल अंक : 100

1. निम्नलिखित काव्यांशों में से किन्हीं दो की लगभग 200 शब्दों में संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए : 10x2=20

(क) ऐसी जिंदगी किस काम की
जो सिर्फ घृणा पर टिकी हो
कायरपन की हद तक
पत्थर बरसाये
कमजोर पड़ोसी की छत पर।

(ख) यदि वेदों में लिखा होता
ब्राह्मण ब्रहमा के पैर से हुए हैं पैदा!
उन्हें उपनयन का अधिकार नहीं
तब, तुम्हारी निष्ठा क्या होती?

(ग) तुमने चुरा लिए
हमारे विकास के रास्ते
शिक्षा पर लगा दिए प्रतिबंध
आखर पर आज रख दी है तुमने
हमारी भागीदारी के लिए
योग्यता की शर्त
पर कब तक फेंकोगे तुम
अपना यह मकड़जाल हम पर।

(घ) धर्म का प्रतिनिधि
समाज का ठेकेदार बनकर
रखा है मुझे दूर आज तक
मन्दिर की दहलीज तक से
शून्य से उत्पन्न
अपात्र ठहराकर

(ड.) बन्द किले से बाहर
झाँक कर तो देखो
बरफ पिघल रही है
बछड़े मार रहे हैं फर्री

बैल धूप चबा रहे हैं
और एकलव्य
पुराने जंग लगे तीरों को
आग में तपा रहा है

2.निम्नलिखित गद्यांशों में से किन्हीं दो की लगभग 200 शब्दों में संप्रसंग व्याख्या कीजिए : 10 x 2 = 20

(क) नर्म और मासूम बालमन पर एक खरोंच पड़ गई थी जो समय के साथ–साथ ग्रंथि बन गयी थी। जब भी वह पच्चीस की संख्या पढ़ता या लिखता, उसे पच्चीस चौका डेढ सौ ही याद आता।

(ख) मेहतर टोले के इस निर्णय से ठाकुरों के मुहल्ले में हलचल मच जाती है। ठाकुरों के लिए यह बिल्कुल अप्रत्याशित स्थिति है। आज तक कभी भी ऐसा नहीं हुआ था कि कोई मेहतर खुल्लम–खुल्ला बागी बन जाए।

(ग) किसना ने जब गाय मरने का कारण पूछा तो ठाकुर को भी बताना ही था। ठाकुर मना नहीं कर सकता अब। ठाकुर गाय के मरने का कारण ठण्ड लगना बताता है। इसके बाद रघु ठाकुर उसे मरी गाय उठाकर कहीं फेंक आने के लिए कहता है। किसना बिना कोई जवाब दिये मुड़कर घर में वापिस चला जाता है।

(घ) हम दोनों भाई–बहनों का हाथ पकड़ के तीर की तरह उठकर चल दी थी। सुखदेव सिंह माँ पर हाथ उठाने के लिए झपटा था, लेकिन मेरी माँ ने शेरनी की तरह सामना किया था, बिना डरे !

3.निम्नलिखित विषयों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लगभग 300 शब्दों में टिप्पणी कीजिए : 10 x 4 = 40

(क) जूठन की कथावस्तु का विवेचन कीजिए।
(ख) 'अपने अपने पिंजरे' के सरोकारों को स्पष्ट कीजिए।
(ग) दलित स्त्री आत्मकथनों की विशेषताएं निरुपित कीजिए।
(घ) दलित कहानी की सोद्देश्यता पर विचार कीजिए।
(ड़) 'आज का रैदास कविता वर्ण आधिपत्य को चुनौती देती है' इस कथन के आलोक में कविता पर विचार कीजिए।
(च) दलित समाज के विकास में राजनीतिक चेतना के महत्व पर प्रकाश डालें।

4.निम्नलिखित गद्यांशों में से किन्हीं दो के उत्तर लगभग 200 शब्दों में लिखिए : 10 x 2 = 20

(क) शिल्प और भाषा के सौंदर्यात्मक प्रतिमानों को रेखांकित कीजिए।
(ख) दलित कहानी के सौंदर्यशास्त्रीय प्रतिमानों पर प्रकाश डालिए।
(ग) 'श्मशान घाट' और 'बस्ती' की तात्कालिक समस्याएँ क्या हैं?
(घ) 'वैतरणी' कहानी के द्वारा दलित जीवन के यथार्थ पर प्रकाश डालिए।
(ड़) दलित लोक कथा और दलित कहानी के अतःसंबंधों की विवेचना कीजिए।

सत्रीय कार्य
एम.एच.डी–20
भारतीय भाषाओं में दलित साहित्य
(पूरे पाठ्यक्रम के सभी खण्डों पर आधारित)

पाठ्यक्रम कोड : एम.एच.डी.–20
सत्रीय कार्य कोड : एम.एच.डी.–20/टी.एम.ए./2023–2024
कुल अंक : 100

1. निम्नलिखित काव्याशों लगभग 200 शब्दों में संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए : 10x4=40

(क) यातना भार से व्याकुल वृक्ष देखा मैंने
बोधिवृक्ष जैसी इसकी जड़ें गहरी हैं
बोधिवृक्ष पर तो फूल भी खिले
यह वृक्ष सभी ऋतुओं में झुलसा हुआ।

(ख) झूलसती धूप में जलते तलवे
झुले को ममता के साथ बबुल पर टांगे
तालकोल भरे कनस्तर ढोते
तुझे देखा मैंने।

(ग) अब हमें खून की रकम नहीं चाहिए
हमें चाहिए हमारी चाह व्यक्त करने वाला निर्भिक कंठ
नया संविधान
नया देश
नई धरती
नया आकाश।

(घ) कांधे धरी यह पालकी
है किस कन्हैया लाल की
इस गाँव से उस गाँव तक
नंगे बदन फेंटा कसे
बारात किसकी ढो रहे
किसकी कहानी में फँसे।

2.निम्नलिखित में से चार प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए : 10 x 4 = 40

(i) दलित साहित्य संबंधी 'बाबूराव बागूल' की अवधारणा स्पष्ट कीजिए।

(ii) 'जब मैंने जाति छुपाई' कहानी की मूल संवेदना क्या है?

(iii) 'कवच' कहानी की भाषा पर टिप्पणी लिखिए।

(iv) साहित्य के वैचारिक आधारों को स्पष्ट कीजिए।

(v) दलित साहित्य आंदोलन में 'अर्जुन डांगले' के योगदान को स्पष्ट कीजिए।

(vi) 'घोड़ा' कविता की रुपक योजना का विवेचन कीजिए।

(vii) 'माँ' कविता की प्रासंगिकता पर प्रकाश डालिए।

(viii) गुजराती दलित कविता की पृष्ठभूमि की विवेचन कीजिए।

(ix) 'कवच' कहानी में स्त्री के शोषण को किस प्रकार दिखाया गया है।

(x) 'बिच्छु' कहानी की प्रासंगिकता पर प्रकाश डालिए।

3.निम्नलिखित विषयों में से किन्हीं चार पर लगभग 200 शब्दों में टिप्पणी कीजिए : 5 x 4 = 20

(i) मराठी दलित आत्मकथनों में 'अक्करमाशी' की विशिष्टता को रेखांकित कीजिए।

(ii) दलित मुक्ति आंदोलन और दलितों में उभरे आत्मबोध के कारणों का विवेचन कीजिए।

(iii) 'घोड़ा' कविता की प्रासंगिकता पर प्रकाश डालिए।

(iv) पंजाबी दलित साहित्य का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

(v) 'अस्पृश्य वसंत' उपन्यास की कथावस्तु पर प्रकाश डालिए।

(vi) 'डॉ. गुरुचरण सिंह रोओ' के जीवन और रचना पर प्रकाश डालिए।

(vii) 'मशालची' उपन्यास में दलित जीवन संदर्भों का परिचय दें।

(viii) 'रोटले को नजर लग गई' कहानी में अभिव्यक्त सामाजिक अंर्तविरोधों को विश्लेषित कीजिए।